बेटी को डॉक्टर बनाने का सपना आंसुओं में बह गया

पिता बोला बुलडोजर चलाओ

मलिहाबाद। रमगढ़ा गांव की जिस 14 साल की बेटी ने डॉक्टर बनकर गरीबों का इलाज करने का सपना देखा था, वह सपना अब गोमती के तट पर राख में बदल गया। कक्षा 11 की छात्रा की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने आखिर मुख्य आरोपी हंसकुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मंगलवार शाम जब पोस्टमार्टम के बाद बेटी का शव गांव पहुंचा तो पिता रामलखन की चीखों से पूरा गांव रो पड़ा। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी, आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने और लापरवाह दरोगा पर मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालात बिगड़ते देख एसीपी ज्ञानेंद्र खुद मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को गले लगाकर कार्रवाई का भरोसा दिलाया, तब जाकर गुस्सा शांत हुआ और देर शाम एसीपी की मौजूदगी में रीति-रिवाज के साथ गोमती नदी के तट पर छात्रा का अंतिम संस्कार किया गया।पीड़ित पिता रामलखन ने रोते हुए बताया कि गांव का ही युवक हंसकुमार पिछले कई महीनों से उनकी नाबालिग बेटी को स्कूल आते-जाते रोककर परेशान करता था। 5 माह पहले जब पिता ने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट की और चाकू मार दिया, जिसमें बेटी को तीन टांके लगे थे। इसके बाद भी चौकी इंचार्ज ने कार्रवाई के बजाय सिर्फ टालमटोल किया और पीड़ित के हौसले को तोड़ दिया। 13 अक्टूबर को आरोपी शराब के नशे में घर में घुस आया, अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। इसकी लिखित शिकायत उसी दिन चौकी पर दी गई थी, फिर भी 18 दिन तक पुलिस सोती रही।ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी लगातार नशे की हालत में छात्रा को परेशान करता था, जिससे वह गहरे मानसिक तनाव में थी। सोमवार को घर पर अकेले होने पर उसने तंग आकर आत्मघाती कदम उठा लिया। सोमवार को मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है।पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर 13 अक्टूबर को ही कार्रवाई हो जाती तो आज बेटी जिंदा होती। परिवार ने आरोपी पर कठोर कार्रवाई के साथ बुलडोजर कार्रवाई की भी मांग की है। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेजा गया है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। सुरक्षा के लिहाज से मौके पर मलिहाबाद, रहीमाबाद, माल और जानकीपुरम की फोर्स तैनात रही।

महिला के घर में घुसकर व्यक्ति ने जबरन किया मुंह काला

इटौंजा।महिगंवा थाना के अंतर्गत सोमवार की रात में एक महिला का पति बाराबंकी जनपद रिश्तेदारी में गया था। घर पर वह अकेली थी ।तभी मौका पाकर पड़ोस का एक व्यक्ति शराब के नशे में उसके घर में प्रवेश कर गया। महिला को जान से मारने की धमकी देकर जबरदस्ती उसके साथ मुंह काला किया। इसके बाद फरार हो गया। एक गांव की पीड़ित महिला का आरोप है कि सोमवार की रात वह घर पर अकेली थी। तभी पड़ोस का एक व्यक्ति अचानक आ गया उसे छेड़छाड़ करने लगा। जबरदस्ती जान से मारने की धमकी देकर गलत काम किया। ग्रामीणों ने बताया महिला को कम सुनाई पड़ता है।

रहीमाबाद में गौकशी गैंग पर पुलिस का शिकंजा

मलिहाबाद। रहीमाबाद पुलिस ने गौ-तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गौमांस से भरी ओमनी वैन समेत दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को वैन से 7 बोरे गौमांस बरामद हुआ है। बाद में अभियुक्तों की निशानदेही पर मलिहाबाद के सैय्यद बाड़ा कसाई टोला में चल रहे अवैध कटान स्थल पर भी छापा मारकर पशु काटने के उपकरण, तराजू-बांट और कटे पशु के अवशेष बरामद किए गए हैं। बताते चले कि मंगलवार को पीआरवी को सूचना मिली कि कुछ लोग ओमनी वैन में गौमांस लेकर जा रहे हैं और इस समय जुगराजगंज रेलवे क्रासिंग के पास हैं। सूचना पर थाना रहीमाबाद की पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां विश्व हिन्दू संगठन के लोग यू पी 32 एच पी 3774 को घेर रखा था और आक्रोशित हो रहे थे। पुलिस ने बड़ी सूझबूझ से चालक और वैन को भीड़ से बचाकर थाने लाया।

मुंबई जा रहे अधेड़ की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

बंथरा में लोनहा गांव के पास रेलवे ट्रैक पर मिला शव

बंथरा। बंथरा थाना क्षेत्र के ग्राम सभा लोनहा के पास मंगलवार को कानपुर रेलमार्ग पर ट्रेन की चपेट में आने से करीब 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुल्तानपुर निवासी बृजलाल पुत्र रामजग के रूप में हुई है। वह रोजगार के सिलसिले में लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से मुंबई जा रहा था। घटना के समय उसके कुछ दोस्त भी साथ मौजूद थे।जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह करीब आठ बजे लोनहा गांव के पास रेलवे खंभा संख्या 18/25 के नजदीक यह हादसा हुआ। घटना के बाद साथ मौजूद दोस्तों ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने रेलवे कंट्रोल रूम को जानकारी दी, जिसके बाद जीआरपी को सूचना मिली। जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद शाम करीब साढ़े चार बजे रेलवे ट्रैक के पास उसका शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आधार कार्ड में दर्ज जन्मतिथि के अनुसार मृतक की उम्र करीब 51 वर्ष बताई गई है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

भाजपा की यात्रा नहीं, उत्तर प्रदेश से भाजपा की विदाई यात्रा है: सुनील सिंह

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी चौधरी सुनील सिंह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा की आज की यात्रा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह भाजपा की यात्रा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की विदाई यात्रा है। सुनील सिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और लोकतंत्र से जुड़े सवालों से परेशान है।

यूपीएसएसएससी आयोग पर स्टेनो अभ्यर्थियों का विशाल धरना

अभ्यर्थियों का आरोप,सॉफ्टवेयर की त्रुटि से भविष्य पर संकट

आज समाचार सेवा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित स्टेनोग्राफर भर्ती की कौशल परीक्षा में कथित सॉफ्टवेयर संबंधी तकनीकी त्रुटियों को लेकर मंगलवार को अभ्यर्थियों का आक्रोश फूट पड़ा। स्टेनोग्राफर की 333 एवं 1224 पदों से संबंधित भर्तियों में कौशल परीक्षा के दौरान हुई तकनीकी गड़बड़ियों के विरोध में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने आयोग परिसर पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का आरोप है कि कौशल परीक्षा के दौरान सॉफ्टवेयर में आई तकनीकी खामियों के कारण हजारों अभ्यर्थियों का प्रदर्शन प्रभावित हुआ और उन्हें असफल घोषित कर दिया गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि उनकी मेहनत और वर्षों की तैयारी के बावजूद तकनीकी अव्यवस्था के कारण उनके भविष्य के साथ



खिलवाड़ हुआ है। धरने में शामिल अभ्यर्थियों ने आयोग से मांग की कि कौशल परीक्षा की निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से जांच कराई जाए। साथ ही परीक्षा में इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर की तकनीकी जांच कराई जाए तथा जिन अभ्यर्थियों का प्रदर्शन तकनीकी त्रुटियों से प्रभावित हुआ है, उन्हें दोबारा कौशल परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जाए। अभ्यर्थियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी समस्याओं का उचित समाधान नहीं किया जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उनका कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना आयोग की जिम्मेदारी है। अब देखना यह होगा कि आयोग अभ्यर्थियों की इन गंभीर शिकायतों पर क्या कदम उठाता है और हजारों युवाओं के भविष्य को लेकर क्या निर्णय लेता है।

राजधानी में एलपीजी गैस ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल,इंडेन सिलेंडरों की सप्लाई ठप

लखनऊ। राजधानी के अमौसी स्थित इंडियन ऑयल एलपीजी बॉटलिंग प्लांट में मंगलवार सुबह छह बजे से सिलेंडरों की उठान बंद है। 15 ट्रांसपोर्टरों ने अपने 206 ट्रकों का चक्का जाम कर दिया है। उनका आरोप है कि 2023 के टेंडर में 192 गैस एजेंसियों तक सिलेंडर पहुंचाने का काम देने का वादा किया गया था, लेकिन अब केवल 80 एजेंसियों का काम मिल रहा है। इससे ट्रांसपोर्टर बैंक की किस्त, डीजल और ड्राइवरों का वेतन तक नहीं निकाल पा रहे हैं। उन्होंने साफ कहा है कि लिखित आश्वासन मिलने तक सिलेंडरों की उठान शुरू नहीं करेंगे। हड़ताल से जिले की इंडेन गैस एजेंसियों तक आपूर्ति प्रभावित हुई है। ट्रांसपोर्टरों के मुताबिक, वर्ष 2023 में हुए टेंडर के दौरान लखनऊ के अलावा बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और सीतापुर की 192 गैस एजेंसियों तक सिलेंडर पहुंचाने का काम दिया गया था। इसके लिए 15 ट्रांसपोर्टरों के 206 ट्रक लगाए गए थे। करीब एक साल पहले कंपनी ने काम घटाकर लखनऊ और बाराबंकी की 80 एजेंसियों तक सीमित कर दिया। इससे उनकी कमाई आधे से भी कम रह गई। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि टेंडर के समय प्रति ट्रक हर महीने करीब 2.45 लाख रुपये के काम का आश्वासन दिया गया था। अब एक ट्रक से 80 से 90 हजार रुपये का ही काम मिल पा रहा है। उनका आरोप है कि जिन एजेंसियों पर काम देने की बात कही गई थी, उनमें से कई दूसरी जगह के ट्रांसपोर्टरों को दे दी गईं। ट्रांसपोर्टरों ने बताया कि टेंडर मिलने के बाद उन्होंने बैंक से लोन लेकर ट्रक खरीदे थे। हर ट्रक की करीब 50,000 रुपए ये महीने की किस्त देनी पड़ती है। इसके अलावा ड्राइवर का 15 हजार रुपये वेतन, लोडिंग-अनलोडिंग पर करीब 15,000 रुपए और डीजल पर लगभग 40 हजार रुपए खर्च होते हैं। ऐसे में ट्रकों से होने वाली कमाई खर्च से भी कम पड़ रही है।।

सोशल स्टार्टअप्स प्रोग्राम का हुआ शुभारम्भ

लखनऊ। अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन ने सोशल स्टार्टअप्स प्रोग्राम की शुरुआत की है। इसका मक़सद विकास क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों की मदद करना है। यह मदद मुहैया कराने का मकसद यह है कि युवा ज़रूरतमंद और सुविधाओं से वंचित समुदायों की ज़रूरतों को पूरा करने लिए काम करने के लिए नागरिक समाज संगठन खड़ेकर सकेंऔर उनका नेतृत्व कर सकें। इसके लिए विगत1 नवंबर से 31 दिसंबर तक आवेदन किए जा सकते हैं।बहुत से पेशेवरों के पास समुदायों के साथ काम करने का कई वर्षों का अनुभव होता है और वे उनकी दिक्क़तों को गहराई से समझते भी हैं, लेकिन अपना ख़ुद का संगठन खड़ा करने के लिए न तो उनके पास पैसों की मदद होती है और न ही कोई राह दिखाने वाले होते हैं।

68,500 शिक्षक भर्ती-अभ्यर्थियों ने मंत्री आशीष पटेल का आवास घेरा



लखनऊ। राजधानी में मंगलवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने लगभग एक घंटे तक मंत्री आशीष पटेल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया उनके दरवाजे पर घंटी बजाते रहे। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी आवास के बाहर लेट गए एक घंटे के हंगामा और नारेबाजी के बाद मंत्री बाहर आए और ज्ञापन लिया। प्रदर्शनकारियों ने ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है और पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है जैसे नारे लगाए। ज्ञापन के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन करने आए नवीन ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंग और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है। जब राज्य पिछड़ा आयोग ने मान लिया राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने मान लिया और अब सरकार में बैठे अधिकारी मंत्री भी स्वीकार कर रहे हैं कि घोटाला हुआ है तो रोजगार क्यों नहीं मिलता। बस्ती से आए आशुतोष वर्मा ने कहा कि हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है। आशुतोष ने कहा कि हमारी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन किया जाए। वर्ष 2018 में भर्ती निकली थी, तभी हमने फॉर्म भरा था। इसके बाद से आज तक नौकरी की उम्मीद में 8 साल से सिर्फचप्पल घिस रहे हैं। मौजूदा सरकार में मुख्यमंत्री से लेकर कोई भी मुख्यमंत्री या विधायक नहीं है जिसके दरवाजे पर जाकर प्रदर्शन नहीं किया याचना नहीं किया मगर रोजगार नहीं मिला।

एक नजर

अग्नि काण्ड के पीड़ितों को कम्बल वितरित

लखनऊ। राजधानी में ऑल इंडिया सुन्नी यूथ फेडरेशन के सदस्यों ने विकास नगर इलाके में लगी आग के पीड़ितों के बीच राहत बांटना शुरू किया।जो रोशनाबाद कॉलोनी व अहैरन खेड़ा की मस्जिद हजरत उमर फारूक के नमाजियों के सहयोग से शुरू हुई।पहले चरण में फेडरेशन के सदस्यों ने पीड़ितों के मौजूदा परिवारों की गिनती की और उनकी लिस्ट बनायी।मौलाना मुहम्मद मुस्तफा मदनी नदवी के नेतृत्व में फेडरेशन के सदस्यों का एक दल मौके पर गया और उन्हें सर्दी शुरू होने से पहले ठंड से राहत देने के लिए कंबल बाँटे। कंबल बाँटते समय, बड़ी संख्या में बाहरी और गैर-सूचीबद्ध लोग भी पहुँच गए। उन्होंने भी अफरा-तफरी फैलाने की कोशिश की। लेकिन चूँकि कूपन पहले ही प्रभावित लोगों में बाँटे जा चुके थे, इसलिए स्थानीय लोगों ने भी उनका साथ दिया और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए मनाया। इस तरह, वहाँ कई चरणों में सैकड़ों कंबल बाँटे गए। इस दौरान फेडरेशन के संस्थापक सदस्य हाजी खालिद हलीम खान मोहम्मद गुफरान नसीम युवा सदस्य इंजीनियर आकिब हुसैन सिद्दीकी अहमद नबील भी मौजूद थे।मौलाना मदनी ने दुआ की कि अल्लाह सभी जरूरतमंदों की जरूरतें पूरी करे।इसके अलावा सोशल एक्टिविस्ट सुन्नी यूथ फेडरेशन के सदस्य मोहम्मद अनस मारूफ का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। अनस मारूफ के जनाजे की नमाज ऐशबाग की बड़ी मस्जिद में हुई और उन्हें चमन ऐशबाग में दफनाया गया।

कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करने के आरोप में चार गिरफ्तार

गोसाईगंज। गोसाईगंज थाना क्षेत्र के ग्राम गंगागंज सलेमपुर में कब्रिस्तान की दीवार और गेट को जेसीबी मशीन से क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई जेसीबी मशीन भी बरामद कर ली है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक, 31 अक्टूबर 2026 को ग्राम गंगागंज सलेमपुर निवासी वकार अहमद पुत्र वसीम अहमद ने गोसाईगंज थाने में लिखित शिकायत दी थी। आरोप था कि कुछ लोगों ने कब्रिस्तान में अतिचार करने के उद्देश्य से जेसीबी मशीन लगाकर वहां बनी दीवार और गेट को क्षतिग्रस्त कर दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 403/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

शुभम वर्मा बने महासंघ के संगठन मंत्री



लखनऊ। जवाहर भवन में निदेशक राज्य सम्पति कार्यालय में कनिष्ठ सहायक पद पर कार्यरत कुशल वर्मा को जवाहर भवन-इन्दिरा भवत कर्मचारी महासंघ का संगठन मंत्री मनोनीत किया गया है। महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय व कार्यकारी महामंत्री सुशील कुमार बच्चा ने बताया कि कुशल वर्मा की कर्मचारियों के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें जवाहर भवन-इन्दिरा यवन कर्मचारी महासंघ का संगठन मंत्री मनोनीत किया गया है, और अपेक्षा की गयी है कि वे संगठन के प्रति पूरी निष्ठा के साथ काम करेगे। इस अवसर पर वरिष्ठ कर्मचारी नेता वलदाऊ श्रीवास्तव, संजीव त्रिपाठी, दिलीप सक्सेना,संजू मिश्रा,सर्वेश मिश्रा, नियाज अहमद व रिजवान मौजूद रहे।

कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा अटल सुशासन पीठ के अंतर्गत मंगलवार, 3 नवंबर को वी.के.एन. मेनन हॉल, लोक प्रशासन विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में लचीले, स्मार्ट एवं सतत शहरों की राहें विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डॉक्टरों ने बच्ची की दोनों किडनी की जन्मजात समस्या का इलाज कर दिलायी राहत

लखनऊ। देश में पहली बार एक ही रोबोटिक सर्जिकल सत्र में डॉक्टरों ने सात साल की बच्ची की दोनों किडनियों से जुड़ी दो अलग-अलग जटिल जन्मजात समस्याओं का सफलतापूर्वक इलाज करने की उपलब्धि हासिल की है। इस बच्ची की दाईं किडनी में पेल्वियूरेटेरिक जंक्शन यानी पीयूजे ऑब्स्ट्रक्शन था। इस समस्या में किडनी से पेशाब के बहाव में रुकावट आती है। वहीं बाईं किडनी में ग्रेड फोर वेसिकोयूरेटेरिक रिफ्लक्स यानी वीयूआर की समस्या थी। इसमें पेशाब मूत्राशय से वापस किडनी की ओर जाने लगता है। यह सर्जरी अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉ.गिवी गौरव एसोसिएट डायरेक्टर एवं यूनिट हेड यूरोलॉजी यूरो ऑन्कोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट के नेतृत्व में की गई। डॉ.गिवी गौरव ने बताया कि बच्ची को दो से तीन साल की उम्र से बार-बार यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन यानी यूटीआई की शिकायत थी। कई जगहों पर इलाज कराने के बावजूद संक्रमण ठीक नही हो रहा था। विस्तृत जांच में दाईं किडनी में पीयूजे ऑब्स्ट्रक्शन के साथ एक लोअर पोल क्रॉसिंग वेसल भी पाया गया। यह पेशाब के वापस किडनी की ओर जाने की गंभीर समस्या है। डीटीपीए जांच में पता चला कि दाईं किडनी लगभग 40 प्रतिशत और बाईं किडनी लगभग 60 प्रतिशत काम कर रही थी। रोबोटिक सर्जरी के दौरान सबसे पहले दाईं किडनी की रुकावट दूर करने के लिए एंडरसन हाइन्स पाइलोप्लास्टी की गई। इस प्रक्रिया में रुकावट वाले पीयूजे हिस्से को अलग करके उसका पुनर्निर्माण किया गया, ताकि पेशाब का बहाव सामान्य हो सके। सर्जरी के दौरान वहां मौजूद क्रॉसिंग वेसल को सुरक्षित रखा गया। साथ ही किडनी के उस हिस्से को, जहां पेशाब इकट्ठा होता है, रक्त वाहिका के आगे की ओर स्थानांतरित किया गया। इससे रुकावट को ठीक करने में मदद मिली। इसके बाद रोबोटिक सिस्टम को अनडॉक किया गया और बच्ची की सर्जिकल पोजिशन बदली गई, ताकि दूसरी किडनी का इलाज किया जा सके। इस प्रक्रिया के लिए पेट में नया पोर्ट बनाने की जरूरत नहीं पड़ी। दूसरी प्रक्रिया में बाईं किडनी की समस्या ठीक करने के लिए एक्स्ट्रावेसिकल यूरेटेरिक रीइम्प्लांटेशन किया गया। इसमें मूत्रवाहिनी को मूत्राशय से दोबारा इस तरह जोड़ा जाता है कि पेशाब वापस किडनी की ओर न जा सके। इस प्रक्रिया के जरिए बाईं किडनी में मौजूद ग्रेड फोर रिफ्लक्स का उपचार किया गया।

ऑटोकी ईएमआई को लेकर भाई ने बहन को डंडे से पीटा

बंथरा। बंथरा थाना क्षेत्र के पुराहीखेड़ा खांड़ेदेव गांव में ऑटो की ईएमआई को लेकर हुए विवाद में एक महिला ने अपने सगे छोटे भाई पर डंडे से मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता मंजू यादव के मुताबिक, वह दो नवंबर को अपने मायके आई थी। इसी दौरान भाई अवसान यादव और मां ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर भाई ने डंडे से उसकी पिटाई कर दी,

महिला से मारपीट, चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज-

मोहनलालगंज। शंकरखेड़ा कुटी मजरा गौरा में एक महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, गांव निवासी मंजू पत्नी पप्पू रावत ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि बीते बुधवार की रात करीब आठ बजे गांव के ही संदीप, संजय, अन्नू और रामआसरे ने बेवजह उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की।

बेसमेंट की मिट्टी ढहने से मजदूर की मौत

एल्डिको सिटी में सुरक्षा इंतजामों की खुली पोल

मोहनलालगंज। खुजौली के पास निर्माणाधीन एल्डिको सिटी में मंगलवार को निर्माण कार्य के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। बेसमेंट में काम कर रहे 40 वर्षीय मजदूर की मिट्टी के मलबे में दबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान सीतापुर निवासी राजेश कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। साथी मजदूरों ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर राजेश को बाहर निकाला और आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। वहीं, हादसे के बाद ठेकेदार के मौके से गायब होने की बात सामने आई है। घटना को लेकर साथी मजदूरों में भारी नाराजगी है।जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को राजेश कुमार एल्डिको सिटी के निर्माणाधीन परिसर में बेसमेंट के अंदर शटरिंग खोलने का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक बेसमेंट की मिट्टी भरभराकर ढह गई। राजेश कुछ समझ पाता, इससे पहले ही वह मिट्टी और मलबे के नीचे दब गया। अचानक हुए हादसे से मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों में चीख-पुकार मच गई। साथी श्रमिकों ने बिना समय गंवाए मिट्टी हटाने का काम शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद राजेश को बाहर निकाला। गंभीर हालत में मजदूर को तत्काल निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां उसकी हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे सिविल अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन और साथी मजदूर उसे लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। राजेश की मौत की खबर मिलते ही साथी मजदूरों में शोक के साथ आक्रोश फैल गया।हादसे के बाद निर्माण स्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। साथी मजदूरों का आरोप है कि बेसमेंट में काम कराए जाने के दौरान पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। श्रमिकों को जरूरी सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराए गए थे। मजदूरों का कहना है कि यदि निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता और मिट्टी धंसने की आशंका को देखते हुए उचित इंतजाम किए गए होते तो शायद राजेश की जान बचाई जा सकती थी।मजदूरों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि हादसा होने के बाद ठेकेदार मौके से गायब हो गया। श्रमिकों का सवाल है कि जब निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ठेकेदार और निर्माण प्रबंधन की होती है, तो बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बेसमेंट में काम क्यों कराया जा रहा था? हादसे के बाद घायल मजदूर को अस्पताल पहुंचाने और उसके इलाज की जिम्मेदारी किसने उठाई, यह भी सवालों के घेरे में है।

मतदान के दिन प्रत्याशी को वेबकास्टिंग का लिंक दिया जाए

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने निर्वाचन आयोग को भेजा ज्ञापन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0 लखनऊ को ज्ञापन देकर मांग की है कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2027 में मतदान के दिन पोलिंग बूथ पर वेब कास्टिंग का लिंक मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों तथा चुनाव लड रहे प्रत्याशी को उपलब्ध कराया जाये। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में सभी 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रो के करीब 1 लाख 70 हजार पोलिंग बूथों पर मतदान के दिन वेब कास्टिंग कराने और मतदान केन्द्रों के अन्दर व बाहर सी.सी.टीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया है। मतदान के दिन पोलिंग बूथों की वेबकास्टिंग का लिंक प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी को दिया जाता है। वहाँ पर अधिकारीगण मतदान के दिन पोलिंग बूथों पर होने वाली घटनाओं व गड़बड़ियों को वेबकास्टिंग के माध्यम से देखते है, परन्तु मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को तथा चुनाव लड रहे प्रत्याशी को वेब कास्टिंग का लिंक नहीं दिया जाता है, जिसके कारण चुनाव लड रहे प्रत्याशी तथा राजनैतिक दलों को पोलिंग बूथों पर होने वाली घटनाओं और गड़बड़ियों की जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती है, यह अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक, अनैतिक व जन विरोधी है। विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2027 में मतदान पारदर्शी, निष्पक्ष, स्वतंत्र, भयमुक्त सम्पन्न कराने के लिए सभी पोलिंग बूथों की वेब कास्टिंग का लिंक मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को तथा चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी को दिया जाये। ज्ञापन में कहा गया है कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2027 में मतदान के दिन पोलिंग बूथ पर वेब कास्टिंग का लिंक मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों तथा चुनाव लड रहे प्रत्याशी को उपलब्ध कराया जाये। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में आगामी विधान सभा चुनाव 2027 में सभी 403 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रो के करीब 1 लाख 70 हजार पोलिंग बूथों पर मतदान के दिन वेब कास्टिंग कराने और मतदान केन्द्रों के अन्दर व बाहर सी.सी.टीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया है। मतदान के दिन पोलिंग बूथों की वेबकास्टिंग का लिंक प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी को दिया जाता है। वहाँ पर अधिकारीगण मतदान के दिन पोलिंग बूथों पर होने वाली घटनाओं व गड़बड़ियों को वेबकास्टिंग के माध्यम से देखते है, परन्तु मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को तथा चुनाव लड रहे प्रत्याशी को वेब कास्टिंग का लिंक नहीं दिया जाता है, जिसके कारण चुनाव लड रहे प्रत्याशी तथा राजनैतिक दलों को पोलिंग बूथों पर होने वाली घटनाओं और गड़बड़ियों की जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती है

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-रीवा
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्रं 07/एन.एच.एम / सं.री / 2026-27/1041 भोपाल दिनांक 29-10-2026

निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग- रीवा की ओर से निम्नलिखित कार्य संपादित करने के लिये निविदा पोर्टल ऑनलाईन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से (www.mptenders-gov-in) (Department of Directorate of Health Service) तीन लिफाफा पद्धति से प्रपत्र 'अ' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पी.आई.यू. लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एस.ओ.आर.01.01.2024 (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है । निविदा का विवरण निम्नानुसार है:

ई-निविदा सूचना क्रमांक 07/2026-27 दिनांक 29.10.2026

सं. क्र.	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (लाख में)	जमा धरोहर राशि	टेण्डर दर राशि	समय सीमा वर्षाकाल सहित
1	2026_DHS_546385	100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल कोतमा जिला अनूपपुर का उन्नयन /निर्माण कार्य	3576.28	17,88,140.00	50000.00	30 माह

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट (http://www.mptenders.gov.in) पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र आनलाईन दिनांक 02.11.2026 प्रातः 10.30 से दिनांक 17.11.2026 सायं 17.30 तक क्रय किये जा सकते है।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी, एन.एच.एम भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाईट (http://www.mptenders.gov.in) पर प्रकाशित किया जावेगा एवं समाचार पत्रो मे नही किया जावेगा ।
5. निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त किये जाने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।
6. उपरोक्त विशेष शर्त लागू होगी जो ऑन लाईन में अपलोड की जावेगी ।

कार्यपालन यंत्री
**राष्